PAPER-III
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 9 1 1 4

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – III

पण्हपत्तं – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **Seventy Five (75)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पंचसत्तरी (75)** बहुविकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. This language is considered to be the basis in the development of the Rajasthānī language -
राजस्थानी भाषा के विकास में इस भाषा को प्रमुख आधार माना जाता है -
(A) अपभ्रंश (B) तमिल
(C) कन्नड़ (D) वैदिक भाषा

2. The earliest names of these two languages of the middle period are found in the Kuvalayamālākahao –
कुवलयमालाकहा में इन दो मध्ययुगीन भाषाओं के प्रारम्भिक नाम मिलते हैं -
(A) बंगला-उड़िया (B) मरु-गुर्जर
(C) मागधी-भोजपुरी (D) मराठी-कोंकणी

3. Prākrit verses are quoted as examples in this type of texts –
प्राकृतभाषा की गाथाओं का उद्धरण दृष्टान्तरूप में इस विधा के ग्रन्थों में प्राप्त है
(A) रसायनशास्त्र (B) अर्थशास्त्र
(C) स्मृतिग्रन्थ (D) काव्यशास्त्र

4. Without use of the Prākrit Language this type of ancient texts become incomplete -
प्राकृत-भाषा के प्रयोग के बिना इस विधा के प्राचीन ग्रन्थ अपूर्ण हो जाते हैं
(A) सूत्रग्रन्थ
(B) नाटक ग्रन्थ
(C) स्तुतिकाव्य ग्रन्थ
(D) आयुर्वेद ग्रन्थ

5. The nature of the personality of 'Śakāra' in Mṛacchakaṭikam is
मृच्छकटिकं के पात्र 'शकार' के व्यक्तित्व का प्रमुख स्वभाव है -
(A) असम्बद्ध प्रलाप करना
(B) घमण्डरहित कथन करना
(C) दयालुता
(D) पराक्रमी होना

6. The Hāthīgumphā inscription begins with
हाथीगुंफा शिलालेख इससे प्रारम्भ होता है
(A) णमो उसहजिणं
(B) णमो अरहंताणं
(C) णमो तथागतो
(D) णमो भगवतो

7. Match each author from Unit-I and his work from Unit-II :
यूनिट-I से ग्रन्थकार एवं यूनिट-II से उनके ग्रन्थ का मिलान कीजिए :

Unit-I		**Unit-II**	
(i)	गुणधर	(a)	द्वयाश्रयमहाकाव्य
(ii)	हेमचन्द्रसूरि	(b)	मृच्छकटिकं
(iii)	विमलसूरि	(c)	कसायपाहुड
(iv)	शूद्रक	(d)	पउमचरियं

Identify correct answer :
सही उत्तर को पहचानिये :
(A) (i) + (c) (B) (ii) + (b)
(C) (iii) + (a) (D) (iv) + (d)

8. The compound of the word 'जिदिन्दियो' is –
'जिदिन्दियो' पद में यह समास है -
(A) द्विगु (B) बहुब्रीहि
(C) द्वन्द्व (D) तत्पुरुष

9. The language used in the प्रश्नव्याकरण is
प्रश्नव्याकरण सूत्र में प्रयुक्त भाषा यह है
(A) शौरसेनी (B) दाक्षिणात्या
(C) आवन्ती (D) अर्धमागधी

10. This language is known as the language where 'u' is used in major.
इसे उकार बहुल-भाषा के रूप में जाना जाता है ।
(A) अपभ्रंश (B) अर्धमागधी
(C) जैन महाराष्ट्री (D) मागधी

11. This statement is correct -
यह कथन सत्य है -
(A) प्राकृत की उत्पत्ति द्राविडी भाषा से हुई है ।
(B) प्राकृत में कोई ध्वनि परिवर्तित नहीं होती है ।
(C) प्राकृत एवं संस्कृत में भिन्नता नहीं है ।
(D) प्राकृत में ऋ, ॠ, ऐ, औ स्वर नहीं होते हैं ।

12. Inter-vocalic 'थ' is changed into Shauraseni Prakrit as
स्वर मध्यवर्ती 'थ' का शौरसेनी प्राकृत में यह परिवर्तन होता है
(A) ह (B) भ
(C) ध (D) द

13. 'नर' becomes 'नल' in this Prakrit
'नर' शब्द इस प्राकृत में 'नल' रूप में मिलता है
(A) अर्धमागधी (B) मागधी
(C) महाराष्ट्री (D) पैशाची

14. यथाख्याजं becomes अहक्खायं in this Prākrit
यथाख्याजं इस प्राकृत में अहक्खायं होता है
(A) मागधी (B) अर्धमागधी
(C) महाराष्ट्री (D) शौरसेनी

15. The case-ending in the word पुरिसाणं is
पुरिसाणं शब्द में यह विभक्ति है
(A) सप्तमी (B) द्वितीया
(C) प्रथमा (D) षष्ठी

16. Shaurasenī form of the word गच्छति is this
शौरसेनी प्राकृत में गच्छति का यह रूप बनता है
(A) गच्छउ (B) गम्मइ
(C) गच्छदि (D) गच्छत

17. विरहांक is the writer of
विरहांक इस ग्रन्थ के लेखक हैं
(A) कविदर्पण
(B) गाहालक्खण
(C) वृत्तजातिसमुच्चय
(D) प्राकृत पैंगलम्

18. The total number of Gāthās in the Gāhālakkhaṇam is -
गाहालक्खणं में कुल गाथाओं की संख्या है
(A) 92 (B) 46
(C) 330 (D) 180

19. The consonant 'त' in the word भरत is changed in Maharashtri Prakrit as -
भरत शब्द का 'त' व्यंजन महाराष्ट्री प्राकृत में इस रूप में परिवर्तित होता है
(A) ह (B) अ
(C) य (D) द

20. Sanskrit चतुर्थी विभक्ति is changed in Prakrit as
संस्कृत की चतुर्थी विभक्ति प्राकृत में इस विभक्ति के रूप में परिवर्तित होती है
(A) द्वितीया (B) चतुर्थी
(C) षष्ठी (D) पंचमी

21. This Prakrit represents the language of the eastern part of India.
यह भाषा पूर्वी भारत की प्राकृत है
(A) शौरसेनी (B) पैशाची
(C) मागधी (D) महाराष्ट्री

22. Number of Gaṇadharas of Lord Mahāvīra is
भगवान् महावीर के गणधरों की संख्या है
(A) चौदह (14) (B) बारह (12)
(C) दस (10) (D) ग्यारह (11)

23. This is not a Saurasenī Āgama text -
यह शौरसेनी आगम ग्रन्थ नहीं है -
(A) कसायपाहुडं (B) भगवतीसूत्र
(C) समयसारो (D) षट्खण्डागम

24. This text is composed by Yativṛsabha
यह ग्रन्थ यतिवृषभ के द्वारा रचित है
(A) मूलाचार
(B) बारसाणुवेक्खा
(C) तिलोयपण्णत्ति
(D) दव्वसंगहो

25. 'उपासगदसांगसूत्त' deals with
उपासगदसांगसूत्र में इनका वर्णन है
(A) दस धर्मों का
(B) दस देशों का
(C) दस मुखों का
(D) दस श्रावकों का

26. 'तिलोयपण्णत्ति' text mainly deals with
तिलोयपण्णत्ति ग्रन्थ मुख्य रूप से इसका वर्णन करता है
(A) तीन रत्नों का
(B) तीन लोकों का
(C) तीन व्यक्तियों का
(D) तीन देवताओं का

27. 'गउडवहो' belongs to this type of literature.
गउडवहो इस प्रकार का काव्य है
(A) ऐतिहासिक काव्य
(B) पौराणिक काव्य
(C) धार्मिक काव्य
(D) आध्यात्मिक काव्य

28. Time of सेतुबंध epic is
सेतुबंध काव्य का रचना-काल है
(A) दूसरी सदी ई.
(B) तीसरी सदी ई.
(C) पाँचवीं सदी ई.
(D) दसवीं सदी ई.

29. The poet of the 'सुरसुन्दरीचरिअं' is
'सुरसुन्दरीचरिअं' के कवि हैं
(A) हरिभद्रसूरि (B) देवेन्द्रसूरि
(C) जिनदत्तसूरि (D) धनेश्वरसूरि

30. This commentary has been written by Amradevasūri on this text -
आम्रदेवसूरि ने इस ग्रन्थ की वृत्ति लिखी है
(A) आख्यानमणिकोश
(B) कहारयणकोस
(C) गाहाकोस
(D) नाणपंचमी कहा

31. An independent Text on Alankāra in Prakrit is -
प्राकृत में लिखे गये स्वतंत्र अलंकार ग्रन्थ का नाम है -
(A) ध्वन्यालोक
(B) अलंकार सर्वस्व
(C) अलंकार दर्पण
(D) रसगंगाधर

32. 'पाइयलच्छीनाममाला' is written by -
पाइयलच्छीनाममाला के लेखक हैं -
(A) धनंजय (B) धनपाल
(C) जगन्नाथ (D) रुय्यक

33. The subject-matter of Rayaṇāvatlī is -
रयणावली का मुख्य विषय है -
(A) अलंकार (B) कोश
(C) वृत्त (D) रस

34. The second name of Desīnāmamāla is -
देशीनाममाला का दूसरा नाम है -
(A) कविदर्पण
(B) अलंकारदर्पण
(C) रयणावली
(D) प्राकृत पैंगलम्

35. 'सत्थपरिण्णा' is the first chapter of
'सत्थपरिण्णा' इस ग्रन्थ का प्रथम अध्याय है
(A) सूत्रकृतांग (B) आचारांग
(C) समवायांग (D) उत्तराध्ययन

36. आयारांग belongs to the category of Āgama Texts -
आयारांग आगम ग्रन्थों की इस श्रेणी में आता है -
(A) अंग (B) उपांग
(C) मूल (D) छेद

37. In the chapter 'केसि-गोयमिज्जं' these are called Agni -
'केसि-गोयमिज्जं' अध्याय में इनको अग्नि कहा गया है
(A) रत्नमय (B) कषाय
(C) इन्द्रिय (D) मन

38. The dialogue between Kesī and Gotama was held at -
केसी-गौतम के बीच वार्तालाप इस नगर में हुआ था
(A) श्रावस्ती (B) राजगृह
(C) नालन्दा (D) वैशाली

39. य श्रुति occurs in this letter after the vowel a -
पूर्व में अ-वर्ण एवं बाद में यह वर्ण रहने से य श्रुति होती है
(A) उ-वर्ण
(B) इ-वर्ण
(C) अ-वर्ण
(D) इनमें से कोई नहीं

40. The word पुरुष: is changed into Māgadhī Prakrit as
मागधी प्राकृत में पुरुष: शब्द का यह रूप होता है
(A) पुरिशो (B) पुलिशे
(C) पुरुशे (D) पुलुसो

41. The significant चंपूकाव्य of Prakrit is
प्राकृत का महत्त्वपूर्ण चंपूकाव्य है
(A) समराइच्चकहा
(B) कहाकोसपयरण
(C) कुवलयमालाकहा
(D) पउमचरियं

42. The author of 'कंसवहो' is
'कंसवहो' काव्य के लेखक हैं
(A) हरिभद्र (B) पुष्पदंत
(C) वसुनंदि (D) रामपाणिवाद

43. This is not a Sattaka Text
यह 'सट्टक' ग्रन्थ नहीं है
(A) कादम्बरी (B) श्रृंगारमंजरी
(C) आनन्दसुंदरी (D) रंभामंजरी

44. The name of the country 'Bhardhavasa' is inscribed in this inscription -
इस शिलालेख में देश का नाम 'भरधवस' (भारतवर्ष) उत्कीर्ण हुआ है -
(A) घटियाल शिलालेख
(B) बड़ली शिलालेख
(C) हाथीगुंफा शिलालेख
(D) गिरिनार शिलालेख

45. Disjunction of the word 'विस्ससोड्ढगई' becomes in this type -
'विस्ससोड्ढगई' का सन्धि-विच्छेद का सही रूप यह है
(A) विस्स + आस + उड्ढगई
(B) विस्सस + उड्ढगई
(C) विस्ससा + उड्ढगई
(D) विस्ससा + ओड्ढगई

46. Actual meaning of the word 'णिम्मणा' is
'णिम्मणा' शब्द का सही अर्थ यह है
(A) मन सहित (B) निर्माण
(C) निर्मल (D) मन रहित

47. 'मिहिलाए डज्झमाणीए न मे डज्झइ किंचण'
This is the statement of
उक्त पंक्ति इनके द्वारा कथित है
(A) संभूत (B) गौतम
(C) केसी (D) नमि

48. The proper adjective of 'Samaṇo' is
'समणो' का उपयुक्त विशेषण यह है
(A) आरम्भी (B) समसुह-दुक्खो
(C) भंगविहीणो (D) कसायजुत्तो

49. Caujjāmadhamma is propagated by
चातुर्यामधर्म इस तीर्थंकर के द्वारा प्रचारित है
(A) ऋषभदेव (B) महावीर
(C) शान्तिनाथ (D) पार्श्वनाथ

50. "समसंयम खलु सो कुणइ जो मग्गे कुणइ घर"
Who said this Gāthā to whom ?
उपर्युक्त गाथा किसने किसको कही ?
(A) महावीर ने गौतम को
(B) गौतम ने जम्बूस्वामी को
(C) नमि राजर्षि ने देवेन्द्र को
(D) गौतम ने केसी को

51. This Suffix is used in optatives –
विधिलिङ में इन प्रत्ययों का प्रयोग होता हैं -
(A) इय, दूण (B) ऊण, ओ
(C) ज्ज, ज्जा (D) न्ति, न्ते

52. The example of changing of 'an' to 'o' is
औ के स्थान पर 'ओ' होने का उदाहरण है
(A) जोण्वणं (B) कोमलं
(C) रामो (D) पोम्मं

53. This is an example of Metathesis
यह वर्ण-व्यत्यय का उदाहरण है
(A) वाणारसी (B) राअउलं
(C) नयरं (D) मेहो

54. ऋ is not changed in this word -
इस शब्द में ऋ का परिवर्तन नहीं हुआ है
(A) घयं (B) रिसी
(C) मिओ (D) जलं

55. Read the unit-I and II for correct match :
प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों को सही मिलान के लिए पढ़िए :

Unit-I	**Unit-II**
(a) मालाणं	(i) प्रथमा एकवचन
(b) मुणिणो	(ii) तृतीया बहुवचन
(c) णले	(iii) षष्ठी बहुवचन
(d) साहूहिं	(iv) पञ्चमी एकवचन

Choose the correct match from the following :
निम्नलिखित में से सही मिलान चुनिये :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(C)	(iii)	(i)	(i)	(iv)
(D)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

56. This is an example of palatalisation -
यह तालव्यीकरण का उदाहरण है
(A) चिलाओ (B) जलं
(C) छाया (D) णिज्झरो

57. The word 'राष्ट्र' changing into Prakrit as -
'राष्ट्र' शब्द का प्राकृत रूप यह है -
(A) रज्ज (B) रत्त
(C) रड्ड (D) रट्ठ

58. This is the example of the verbal form used only in Sàurasenī -
यह क्रियापद मात्र शौरसेनी प्राकृत में मिलता है
(A) होइ (B) होज्जइ
(C) हवइ (D) भोदि

59. This is an example of quantitative change -
यह मात्रात्मक परिवर्तन का उदाहरण है -
(A) सुइ (B) राया
(C) सावज्ज (D) सामिद्धी

60. Nominative singular of 'u' ending word becomes -
'उ' कारान्त शब्द का प्रथमा एकवचन में यह रूप है
(A) ऊ (B) आ
(C) उ (D) ओ

61. Read the Unit-I and Unit-II for correct match :
प्रथम एवं द्वितीय इकाईयों को सही मिलान के लिए पढ़िए :

Unit-I	**Unit-II**
(a) घनश्याम	(i) चन्दलेहा
(b) राजशेखर	(ii) अजनापवनंजय
(c) रुद्रदास	(iii) आनन्दसुन्दरी
(d) हस्तिमल	(iv) कर्पूरमंजरी

Choose the correct match from the following :
निम्नलिखित में से सही मिलान चुनिये :
(A) (a) + (ii) (B) (c) + (iii)
(C) (d) + (i) (D) (b) + (iv)

62. Brāhmī script is used in the following inscription
निम्नांकित शिलालेख में ब्राह्मी-लिपि का प्रयोग हुआ है :
(A) घटियाल
(B) हाथीगुंफा
(C) विन्ध्यगिरि
(D) गोपाचल अभिलेख

63. 'खेमराजा स वढराज स भिखुराजा धमराजा' This line is included in this inscription
उक्त पंक्ति इस शिलालेख में सम्मिलित है
(A) हाथीगुंफा शिलालेख
(B) गिरिनार शिलालेख
(C) घटियाल शिलालेख
(D) बडली शिलालेख

64. Ghaṭiyāla Prākrit inscription is found in
घटियाल प्राकृत शिलालेख यहाँ प्राप्त हुआ है
(A) उड़ीसा (B) गुजरात
(C) तमिलनाडु (D) राजस्थान

65. The author of the Kuvalayamālākahā belongs to this period -
कुवलयमालाकहा के लेखक इस शताब्दी में हुए हैं
(A) आठवीं सदी (B) दसवीं सदी
(C) पाँचवी सदी (D) बारहवीं सदी

66. The Kuvalayamālākahā in Prakrit Literature is known as
कुवलयमालाकहा प्राकृत साहित्य में इस रूप में जानी जाती है
(A) मुक्तककाव्य (B) खण्डकाव्य
(C) चम्पूकाव्य (D) नाटक ग्रन्थ

67. The language of गउडवहो is
गउडवहो की भाषा यह है
(A) शौरसेनी (B) मागधी
(C) महाराष्ट्री (D) अर्धमागधी

68. The hero of 'गउडवहो' is
'गउडवहो' का नायक है
(A) कुमारपाल (B) यशोवर्मा
(C) सोमदेव (D) यशोधर

69. The author of धूर्ताख्यान is
धूर्ताख्यान के लेखक हैं
(A) हेमचंद्रसूरि (B) जिनप्रभसूरि
(C) हरिभद्रसूरि (D) महेंद्रसूरि

70. The language of वसुदेवहिण्डी is
वसुदेवहिण्डी की भाषा है
(A) अपभ्रंश (B) महाराष्ट्री
(C) मागधी (D) शौरसेनी

71. This is the meaning of word 'Ayadācārassa' in 'अयदाचारस्स णिच्छिदा हिंसा'
'अयदाचारस्स णिच्छिदा हिंसा' पंक्ति में 'अयदाचारस्स' पद का अर्थ है
(A) कभी-कभी आचरण करने वाले के लिये
(B) आचरणहीन व्यक्ति के लिये
(C) पापयुक्त व्यक्ति के लिये
(D) प्रयत्नरहित आचरण करने वाले के लिये

72. 'जंबुद्दीवपण्णत्तिसंगह' is written by
जंबुद्दीवपण्णत्तिसंगह ग्रन्थ के लेखक हैं
(A) मुनि पद्मनन्दि
(B) मुनि नेमिचन्द्र
(C) आचार्य देवसेन
(D) वट्टकेर आचार्य

73. The subject matter of the सम्मइसुत्त is related to -
सम्मइसुत्त का विषय इससे सम्बद्ध है
(A) आचार
(B) कर्मवाद
(C) अनेकान्तवाद
(D) प्रथमानुयोग

74. The period of Ācārya Siddhasen is placed in
आचार्य सिद्धसेन का समय यह माना जाता है
(A) षष्ठ शताब्दी
(B) अष्टम शताब्दी
(C) चतुर्थ शताब्दी
(D) दशम शताब्दी

75. The Uttarajjhayaṇaṁ is included into the category of Āgama -
उत्तरज्झयणं ग्रन्थ आगम की इस श्रेणी में संयोजित हुआ है
(A) अंग (B) उपांग
(C) छेदसूत्र (D) मूलसूत्र

Space For Rough Work